सत्र – १

पहला कालांश

- उद्देश्य :
  - पहली इकाई के हर पाठभागों का पुनरीक्षण करना ।
  - पत्र लेखन की क्षमता बढ़ाना ।
  - पोस्टर लिखने की क्षमता बढ़ाना ।
- आप अनौपचारिक संवाद से शुरू करें ।

  जैसे, बच्चो आप लोग परीक्षा की तैयारी में है न ? देखो हम एक बार और अपनी पाठ्यपुस्तिका के सभी पाठों से गुज़रकर याद करने का प्रयास करेंगे ।
- आप प्रश्न करें,
  - पहली इकाई का नाम क्या है ?
  - कितने पाठभाग हैं ?
  - पाठभागों के नाम क्या–क्या हैं ?
  - पाठभागों की प्रोक्ति कौन–कौन सी हैं ?
  - पाठभागों के लेखक कौन–कौन हैं ?
- आप निर्देश दें,

  ठीक है, बच्चो अब आप पहले पाठभाग "नदी और साबुन पाठ" भाग का वाचन करें ।
  - 5 मिनट का समय दें ।
  - आप कविता का मुख्य आशय चंद शब्दों में लिखने का निर्देश दें ।
  - दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
  - अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
  - आप संक्षिप्तीकरण करें ।

मानव के अनियंत्रित हस्तक्षेप से प्रकृति का नाश हो रहा है । वह जलश्रोतों को भी छोड नहीं देता । वह स्वार्थता के वश में आकर उसकी पवित्रता को नष्ट कर देता है ।

दुसरा कालांश

- तो बच्चो, अब आप लोग दूसरे पाठभाग "गौरा" का वाचन करें । वाचन करते समय रेखाचित्र के हरेक खंड का मुख्य आशय एक–एक वाक्य में लिखते रहें ।
  - 20 मिनट का समय दें ।
  - आप छात्रों की सहायता करते रहें ।
  - दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
  - अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
  - आप टीचर्स वर्शन प्रस्तुत करें ।

  - महादेवी वर्मा की बहिन श्यामा के घर पहुँचना ।
  - बछिया देखना ।
  - श्यामा का उपयोगितावाद संबधी भाषण सुनना ।
  - भाषण से प्रभावित तथा बछिया की सुंदरता देखकर उसे घर लाना ।
  - बछिया का भव्य स्वागत मिलना और नामकरण करना ।
  - गौरा का सब पशु–पक्षियों से हिल–मिल जाना ।
  - घर के सब लोगों को आवाज़ एवं आहट से पहचानना ।
  - लालमणि की माता बनना ।
  - घर में दुग्ध महोत्सव आरंभ होना ।
  - दुग्ध–दोहन की समस्या और ग्वाले की नियुक्ति ।
  - गौरा की बीमारी एवं डॉक्टरों के निरीक्षण ।
  - सुई की बात समझना और ग्वाला का अंदर्धान होना ।
  - सेब का रस पिलाना एवं मृत्यु से संघर्ष शुरू होना ।
  - गौरा की मृत्यु होना और पार्थिव अवशेष गंगा में समर्पित करना ।

- आप यह प्रश्न लिखकर प्रस्तुत करें ।

  “एक वर्ष के उपरांत गौरा एक सुंदर वत्स की माता बनी” । यह खबर बताते हुए महादेवी वर्मा ने अपनी बहन श्यामा के नाम पत्र लिखा । वह पत्र कल्पना करके तैयार करें ।

- आप निम्नलिखित प्रश्न पूछकर वैयक्तिक पत्र की रूपरेखा की जानकारी दें ।
    - यह किस तरह का पत्र है ?
    - वैयक्तिक पत्र लिखते समय ध्यान देने की बातें क्या–क्या हैं ?
- चर्चा चलाएँ और श्यामपट पर सूचीबद्ध करें ।
- छात्रों के उत्तरों से ये बातें चयन करें ।

स्थान
तारीख
संबोधन
अभिवादन
विषय
स्वनिर्देश
हस्ताक्षर
नाम
सेवा में

- आप पूछें, एक वैयक्तिक पत्र में इन बातों के स्थान कहाँ–कहाँ हैं ?
- छात्रों को बताने का अवसर दें ।.
- आप वैयक्तिक पत्र की यह रूपरेखा चार्ट पर प्रस्तुत करें ।

स्थान

तारीख

संबोधन

अभिवादन ।

.....

..... ।

.....

.....।

.....

..... ।

स्वनिर्देश

हस्ताक्षर

नाम

सेवा में

नाम

घर का नाम

पी. ओ .

जिला – (पिनकोड)

- इस

  रूपरेखा का प्रयोग करके प्रश्न का उत्तर लिखने का निर्देश दें ।

- 15 मिनट का समय दें ।

- वैयक्तिक लेखन का हस्तांतरण करके मूल्यांकन करने का निर्देश दें ।

मूल्यांकन सूचक :–

- रूपरेखा का उचित प्रयोग किया है ।
- उचित भाषा का प्रयोग किया है ।
- प्रसंगानुकूल लिखा है ।

तीसरे कालांश

- अब आप लोग तीसरे पाठभाग "हाथी का साथी" का वाचन करें । वाचन करते समय घटना के हरेक खंड का मुख्य आशय एक–एक वाक्य में लिखते रहें ।
- 10 मिनट का समय दें ।
- आप छात्रों की सहायता करते रहें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप टीचर्स वर्सन प्रस्तुत करें ।

  - मानव का स्वार्थतावश जंगल काटना ।
  - हाथियों का गाँव पहुँचना एवं घर और खेती का नाश करना ।
  - बिजली का झटका लगना और हाथी का मर जाना ।
  - मरे हुए हाथी पर लोगों का गुस्सा उतारना और हाथी–दाँत की चोरी करना ।
  - एक महीने तक मरे हुए हाथी पडे रहना ।
  - हाथियों के झुंड का आना एवं लाश का दफन करना ।

- आप संक्षिप्तीकरण करें ।

बच्चो, हम इस इकाई के पाठभागों से यह तथ्य समझ गये हैं कि मानव स्वार्थतावश केवल प्रकृति का नाश ही नहीं वरन् निर्दयता से पशु–पक्षियों की हत्या भी कर रहे हैं ।

- आप निम्नलिखित पोस्टरों की प्रतिलिपियाँ छात्रों को दें ।

नेच्चर क्लब के तत्वाधान में

पर्यावरण और मानव

संगोष्ठी

सरकारी हाईस्कूल सभागृह में

जून 5 सुबह 9 बजे

उद्घाटन	:	ग्राम पंचायत अध्यक्ष
विषय प्रस्तुतीकरण	:	श्रीमति. सुगतकुमारी

जून ५

विश्व पर्यावरण दिवस

सोचो.....

- जल के बिना जीवन संभव है ?
- क्या, हमारे जलश्रोत सुरक्षित है ??

समझो....

- जल अमूल्य है !
- जल प्रकृति का वरदान है !!

"जल का संरक्षण करो, आनेवाली पीढ़ी से अपना फर्ज निभाओ"

जल विभाग केरल

- दोनों पोस्टरों की तुलना करके समझने का निर्देश दें ।
- आप यह प्रश्न देकर छात्रों से पोस्टर लिखवाएँ ।
- "पशु–पक्षी हमारे सहजीवी है"संदेश देलेवाली एक पोस्टर तैयार करें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप टीचर्स वर्शन प्रस्तुत करें ।

सोचो.....

- सिर्फ मानव से प्रकृति संपन्न होगी ?
- पशु–पक्षी, पेड़–पौधे आदि के बिना क्या मानव जी पाएगा ??

समझो....

- पशु–पक्षी, पेड़–पौधे आदि प्रकृति का वरदान है !
- इनके बिना मानव का जीना असंभव है !!

"पशु–पक्षी हमारे सहजीवी है, इनकी रक्षा हमारी सुरक्षा"

"प्रकृति का तालमेल बनाए रखे, शांति से जिए"

वन विभाग केरल

- पोस्टर के मूल्यांकन सूचक संबंधी चर्चा चलाएँ ।

- प्रसंगानुकूल लिखा है ।
- भाषा सरल, स्पष्ट एवं संक्षिप्त है ।
- आकर्षक है ।

सत्र – २

कालांश – १

- उद्देश्य :
  - दूसरी इकाई के हर पाठभागों का पुनरीक्षण करना ।
  - डायरी लेखन की क्षमता बढ़ाना ।
  - वार्तालाप लिखने की क्षमता बढ़ाना ।
  - उद्घोषणा लिखने की क्षमता बढ़ाना ।
- आप दूसरी इकाई के पाठभाग "बाबूलाल तेली की नाक" का वाचन करने का निर्देश छात्रों को दें ।
- 20 मिनट का समय दें ।
- आप फिर यह वर्क शीट छात्रों को दें ।

2016 जनवरी 5, मंगलवार ।

महीने भर बाद बंबई से वापस घर पहुँचा । नाक के स्थान दो सुराख ! .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... ।

- आप वर्क शीट का वाचन करने का निर्देश दें ।
- आप प्रश्न पूछकर छात्रों की मदद करें ।

- वर्क शीट में क्या है ?
- डायरी किसने लिखी है ?
- कब लिखी है ?
- किन–किन घटनाओं के जिक्र इसमें होंगे ?

- आप डायरी की पूर्ती करने का निर्देश दें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुतीकरण करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का आवसर दें ।
- आप टीचर्स वर्शन प्रस्तुत करें ।

2016 जनवरी 5, मंगलवार ।

महीने भर बाद बंबई से वापस आज घर पहुँचा । नाक के स्थान दो सुराख ! शामको सभा हुई । अच्छी–अच्छी बातें हुई । फिर जुलूस ने मुझे घर पहुँचा दिया । पत्नी और परिवारवालों की खुशी देखी । पिछले कुछ दिनों में कैसी अनोखी बातें ! किसी व्यक्ति के मारने पर मैंने आवाज़ उठायी । इस पर उसने मेरी नाक पर मारा । शानदार अस्पताल पहुँचने पर टेस्ट पर टेस्ट किये । बहुत सारे पैसे खर्च हुए । परिवारवाले और साथी कर्मचारी लोगों ने सरकारी अस्पताल जाने को कहा था । लेकिन प्राइवट क्लिनिक पर ऑपरेशन हुआ । पर हालत बिगड गई । बंबई जाना पडा । बाद में मालूम हुआ कि कुछ सज्जन इसकेलिए चंदा किया और उन्होंने ही बंबई पहुँचा दिया था । शुक्र है उनका । अनाचार के विरुद्ध आवाज़ उठाने पर अपनी नाक खोनी पडी । ये सब सोचकर अब भी भय और अद् भुत है । आगे समाज के कोई भी व्यक्ति अनाचार पर आवाज़ उठाएगा ? हे भगवान! ऐसा अनुभव दूसरों को न दे ।

- आप मूल्यांकन सुचकों पर चर्चा चलाएँ ।

- आशय समझकर लिखा है ।
- आत्मनिष्ठ भाषा एवं शैली का प्रयोग किया है ।
- खास अनुभवों पर अपना विचार व्यक्त किया है ।

कालांश – २

- आप दूसरी इकाई के पाठभाग "प्रिय डाक्टर्स" का वाचन करने का निर्देश छात्रों को दें ।
- 20 मिनट का समय दें ।
- आप छात्रों को यह प्रश्न दें ।

> देवदास डिसेक्शन हॉल के अनुभव अपने मित्र से बाँटता है ।
> दोनें के बीच का वार्तालाप तैयार करें ।

- 15 मिनट का समय दें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुतीकरण करवाएँ ।
- आप TV प्रस्तुत करें ।

देवदास : अरे अरुण, कितने दिनों के बाद मिला है ? कैसे हो ?
अरुण : ठीक हुँ । सुना है, तुम्हारी भर्ती मेडिकल कॉलिज में हुई है ?
देवदास : जी हाँ, मुंबई में ।
अरुण : पहला क्लास कैसा रहा ?
देवदास : वह एक खास अनुभव है ।
अरुण : तो बताओ, यार ।
देवदास : लंबा–चौडा और दुर्गंध से भरा डिसेक्शन हॉल । मेज़ पर लाशें । कितना भयानक दृश्य था ।
अरुण : दुर्गंध ? कैसे ?
देवदास : लाशें सुरक्षित रखने केलिए फ़ार्मलीन है न ?
अरुण : लाशें कहाँ रखते हैं ?
देवदास : फ़ार्मलीन भरी बहूत बडी टंकी है ।
अरुण : लाशों से क्या किया ?
देवदास : इससे डिसेक्शन करके एनाटमी सीखते हैं ।
अरुण : कौन सिखाते हैं ?
देवदास : प्रो. डी. कुमार । वे लाशों को भी जीवात्मा माननेवाले हैं । एक आदर्श डाक्टर । अच्छा यार, फिर मिलेंगे ।
अरुण : ठीक है यार ।

- आप मूल्यांकन सुचकों पर चर्चा चलाएँ ।

  - प्रसंगानुकूल लिखा है ।
  - भाषा सरल एवं स्वाभाविक है ।
  - वार्तालाप की शैली अपनायी है ।

कालांश – ३

- आप दूसरी इकाई के पाठभाग "महत् उद्देश्य की प्रतिमा" का वाचन करने का निर्देश छात्रों को दें ।
- 15 मिनट का समय दें ।
- आप छात्रों को यह प्रश्न दें ।

आजकल फास्टफुड और तेलयुक्त भोजन की उपयोगिता में बढोत्तरी हुई है । इससे सतर्क रहने की चेतावनी देनेवाली उद् घोषणा तैयार करें ।

- निम्नलिखित वर्कशीट छात्रों को दें ।
- आप १० मिनट का समय दें ।

प्रिय देशवासियो, ध्यान दीजिए ।

.....

.....

..... ।

- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुतीकरण करवाएँ ।
- आप TV प्रस्तुत करें ।

प्रिय देशवासियो, ध्यान दीजिए ।

आजकल हमारे देश में कैंसर रोगियों की संख्या में बढोत्तरी हुई है । स्वास्थ्य विभाग के अनुसंधान से ज्ञात हआ है कि फास्टफुड और तेलयुक्त भोजन इसका एक कारण है । हमारी ओर से प्रार्थना है कि आप इनके उपयोग से दूर रहें ।

- आप छात्रों को स्वआकलन और परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप छात्रों को मूल्यांकन सूचकों का परिचय कराएँ ।

  - प्रसंगानुकूल संबोधन है ।
  - आशय संक्षिप्त रूप से लिखा है ।
  - उचित शैली अपनायी है ।

- आप दूसरी इकाई के पाठभाग "मनुष्यता" कविता भाग का वाचन करवाएँ ।
- 10 मिनट का समय दें ।
- आप कविता का मुख्य आशय चंद शब्दों में लिखने का निर्देश दें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप संक्षिप्तीकरण करें ।

सत्र – ३

- उद्देश्य :
  - तीसरी इकाई के हर पाठभागों का पुनरीक्षण करना ।
  - जीवनी लेखन की क्षमता बढ़ाना ।
  - विंश्लेषणात्मक प्रश्न लिखने की क्षमता बढ़ाना ।
  - संशोधन की क्षमता बढ़ाना ।

कालांश – १

- आप तीसरी इकाई के पाठभाग "वह तो अच्छा हुआ" कविता भाग का वाचन करवाएँ ।
- 10 मिनट का समय दें ।
- आप कविता का मुख्य आशय चंद शब्दों में लिखने का निर्देश दें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।

- आप संक्षिप्तीकरण करें ।
- आप यह प्रश्न छात्रों को दें ।

"उस गली का नाम नगरपालिका में नहीं था" । इसके क्या–क्या कारण हो सकते हैं ?

- 5 मिनट का समय दें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर भी दें ।
- आप TV प्रस्तुत करें ।

सरकार की फाइलों में उस गली का नाम नहीं है जहाँ गरीब, बेघर लोग झोंपडियाँ बनाकर रहते हैं ।अधिकारी लोगों को इससे संबंधित कोई जानकारी नहीं है और इन असहाय लोगों को बुनियादी सुविधाएँ देने में दिलचस्पी भी नहीं है ।

- आप प्रश्न करें, विश्लेषणात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखते समय किन–किन बातों पर ध्यान देना ज़रूरी है ?

  - आशय का विश्लेषण करके कार्य–कारण संबंध लिखा है ।
  - आशय पर अपना दृष्टिकोण प्रकट किया है ।

कालांश – २

- आप तीसरी इकाई के पाठभाग "आदमी का बच्चा" का वाचन करवाएँ ।
- वाचन करते समय कहानी के हरेक खंड का मुख्य घटना एक–एक वाक्य में लिखते रहें ।
- 20 मिनट का समय दें ।
- आप छात्रों की सहायता करते रहें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप टीचर्स वर्शन प्रस्तुत करें ।
- आप संशोधन करने का यह प्रश्न छात्रों को दें ।

"लडकी की चेहरे का सरलता से वहकी माँ का हृदय पिघल उठी" ।

- 5 मिनट का समय छात्रों को दें ।
- ज़रूरत है तो आप TV प्रस्तुत करें और संक्षिप्तीकरण करें ।

कालांश – ३

- आप तीसरी इकाई के पाठभाग "सकूबाई" का वाचन करवाएँ ।
- 20 मिनट का समय दें ।
- आप निम्नलिखित जीवनवृत्त देकर सकूबाई की जीवनी लिखने का निर्देश दें ।

नाम	: शकुंतला
पिता	: तुकाराम जामडे
माता	: लक्ष्मीबाई
भाई–बहन	: नितिन, वासंती
शिक्षा	: अनपढ.
मातृभाषा	: मराठी
पेशा	: नौकरानी
परिवार	: एक बेटी (साइली)

- आप प्रश्नों के द्वारा छात्रों की सहायता करें ।

- शकुंतला को किस नाम से पुकारते हैं ?
- पिता क्या करते थे ?
- पिता के परिवार में कौन–कौन हैं ?
- माँ क्या करती है ?
- अनपढ़ होने का क्या कारण है ?
- बंबई में कैसे आयी ?
- नौकरानी कैसै बनी ?

- 15 मिनट समय दें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुतीकरण करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप TV प्रस्तुत करें ।

सकूबाई, मेहनत का रूप

सकूबाई का जन्म बंबई के पास एक गाँव में हुआ था । उसका पूरा नाम शकुंतला है । सभी उसको सकू नाम से पुकारते हैं । वह एक कठिन मेहनत करनेवाली मराठी औरत है । तुकाराम जामडे और लक्षीबाई उसके माँ–बाप हैं । वे किसान थे । खेती एवं मज़दूरी करके जीवन बिताते थे । बाप के चार भाई थे । वे एकसाथ खेती करते थे । वे इतने गरीब थे कि अनाज के बँटवारे समय भाईयों के बीच झगडा होता था । उसके माँ–बाप कठिन मेहनत करते थे । फिर भी घर में गरीबी थी । घर संभालने का दायित्व बचपन से ही उस पर पडी । भाई नितिन और बहन वासंती को संभलना, बाउटी से पानी लाना, आंगन बुहारना आदि उसके काम थे । इसलिए वह और वासंती स्कूल न जा सकीं । भाई नितिन को स्कूल भेज दिया था । गरीबी के कारण माँ को काम करने केलिए बंबई जाना पडा । तब माँ उसको भी साथ ले गयी । तब से लेकर बाई का काम कर रही है । उसकी एक लडकी है साईली । करीब पन्द्रह साल से एक मध्यवर्गीय परिवार के फ्लैट में काम कर रही है ।

- आप छात्रों को मूल्यांकन सूचकों का परिचय कराएँ ।

- विचारों को क्रबद्ध लिखा है ।
- जीवनी की शैली अपनायी है ।
- सरल भाषा का प्रयोग किया है ।
- उचित शीर्ष्क दिया है ।

सत्र – ४

- उद्देश्य :
  - चौथी इकाई के हर पाठभागों का पुनरीक्षण करना ।
  - समाचार लेखन की क्षमता बढ़ाना ।
  - विंश्लेषणात्मक प्रश्न के उत्तर लिखने की क्षमता बढ़ाना ।

कालांश – १

- आप चौथी इकाई के पाठभाग "मुफ्त में ठगी" कविता भाग का वाचन करवाएँ ।
- 10 मिनट का समय दें ।
- आप कविता का मुख्य आशय चंद शब्दों में लिखने का निर्देश दें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप संक्षिप्तीकरण करें ।
- आप चौथी इकाई के पाठभाग "भारतीय संस्कृति में गुरु–शिष्य संबंध" का वाचन करवाएँ ।
- 20 मिनट का समय दें ।
- आप यह प्रश्न छात्रों को दें ।

> ''सुप्रसिद्ध भारतीय पहलवान गामा ने विश्व के सारी पहलवानों को कुश्ती में चैलेंज दिया ।" यह समाचार अखबारों में प्रकाशित हुआ ।
> कल्पना करके समाचार तैयार करें ।

- 15 मिनट का समय दें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप TV प्रस्तुत करें ।

कुश्ती में भाग लें, इनाम पाएँ

मुँबई : अगले हफ्ते, 15 फरवरी 2016 शामको 4 बजे मुँबई नगरपालिका हॉल में कुश्ती की प्रतियोगिता होनेवाली है । सुप्रसिद्ध पहलवान गामा इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उन्होंने केवल भारत के ही नहीं संसार भर के पहलवानों को चेलैंज दिया है कि उनको पराजित करनेवालों के एक लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा । मुँबई कुश्ती फाऊनडेशन के तत्वाधान में आयोजित इस प्रतियोगिता की अधिक जानकारी कार्यालय के सूचनापट पर है ।

- आप छात्रों को मूल्यांकन सूचकों का परिचय कराएँ ।

- घटना का सही विवरण दिया है ।
- समाचार शैली अपनायी है ।
- उचित शीर्षक लिखा है ।

कालांश – २

- आप चौथी इकाई के पाठभाग "वापसी" का वाचन करवाएँ ।
- वाचन करते समय कहानी के हरेक खंड का मुख्य घटना एक–एक वाक्य में लिखते रहें ।
- 20 मिनट का समय दें ।
- आप छात्रों की सहायता करते रहें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप टीचर्स वर्शन प्रस्तुत करें ।
- आप यह प्रश्न छात्रों को दें ।

"आज के परिवारों में पिता को केवल धनोपार्जन का उपकरण मानते हैं ।"
यह कथन कहाँ तक उचित है ? अपना मत प्रकट करें ।

- 5 मिनट का समय दें ।
- दो–तीन छात्रों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर भी दें ।
- आप TV प्रस्तुत करें ।

अक्सर परिवारों में पिता को धनोपार्जन का उपकरण मानते हैं, यह ठीक नहीं है । हमारी संस्कृति में माता–पिता को प्रमुख स्थान दिया गया है । उनका संरक्षण करना ही चाहिए । बूढ़े माँ–बाप की सुरक्षा हर संतान का दायित्व है ।

- आप चौथी इकाई के पाठभाग "दोहे" का वाचन करवाएँ ।
- 10 मिनट का समय दें ।
- आप छात्रों को आठ दल बनाएँ और दलों को एक–एक दोहा दें । हर दोहे का मुख्य आशय चंद शब्दों में लिखने का निर्देश दें ।
- हर दलों से प्रस्तुत करवाएँ ।
- अन्य छात्रों को परिमार्जन करने का अवसर दें ।
- आप हर दल की प्रस्तुति पर संक्षिप्तीकरण करें ।